Thyroid एक आम बीमारी है इसलिए हमें जितनी जल्दी हो सके **Thyroid Hormone (TSH)** की जांच करानी है

Pregnancy के दौरान महिलाओं में **Subclinical Hypothyroidism** होता है। जिसमें लक्षण दिखते नही है पर **TSH** का लेवल बहुत बढ़ जाता है। इसके लिए भी समय पर उपचार लेना जरुरी है।

उपलब्ध सुविधाएं

- 7 स्त्री रोग विशेषज्ञों की टीम
- आधुनिक मेडिकल एवं सर्जिकल सेंटर
- प्रजनन केन्द्र (Fertility Centre) & IUI, IVF, ICSI
- हाई रिस्क प्रेग्नेंसी (High Risk Pregnancy)
- आधुनिक दूरबीन पद्धति (Laparoscopy) द्वारा बच्चेदानी का ऑपरेशन
- बिना चीरा, बिना टांके के बच्चेदानी का ऑपरेशन (Vaginal Hysterectomy)
- गर्भाशय मुख की जाँच (Colposcopy)
- Malformation Scan (Sonography)
- विशेष गर्भ संस्कार मार्गदर्शन
- Hysteroscopy दूरबीन द्वारा बच्चेदानी की जाँच व ईलाज
- दर्द रहित प्रसव। (EPIDURAL)
- सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त गर्भपात एवं परिवार नियोजन केन्द्र।
- कम्प्यूटराईज मशीन द्वारा गर्भस्थ शिशु के धड़कन की जांच। (NST)
- स्तन कैंसर से बचाव व उपचार।
- मेनोपॉज क्लिनिक (रजोनिवृति)।
- पैथोलॉजी।
- फिजियोथेरेपिस्ट उपलब्ध
- न्यूट्रीशियनिस्ट उपलब्ध

THYROID IN PREGNANCY

SBH® WOMEN HOSPITAL Pvt. Ltd.

ICSI एवं IVF (टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर)

सुपर स्पेशलिटी प्रसूति एवं स्त्रीरोग हॉस्पिटल

विजेता काम्पलेक्स के सामने, न्यू राजेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.)

7440777771, 0771-4017979, 4047462

www.sbhhospital.com

भारत में 10:1 महिला **Thyroid** की रोगी है। थायराइड रोग विभिन्न विकारों का एक समूह होता है, जो थायराइड ग्रंथी को प्रभावित करता है। थायराइड हार्मोन **Thyroid** ग्रंथी से स्त्रावित होता है यह शरीर की ऊर्जा को नियंत्रित करता है और शरीर के संचालन के लिए आवश्यक हार्मोन है।

गर्भावस्था में थायराईड का महत्व

Thyroid Hormone बच्चे के मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र के सामान्य विकास के लिए जरुरी है। गर्भावस्था के पहले 3 माह बच्चा गर्भनाल के माध्यम से आने वाले थायराईड हार्मोन पर निर्भर होता है। 12 हफ्ते से बच्चे की थायराइड ग्रंथि काम करना शुरु कर देती है। परंतु यह गर्भावस्था के 18-20 हफ्तों तक पर्याप्त मात्रा में **Thyroid Hormone** बनाने में सक्षम नही होती है। इसलिए शिशु माँ के **Thyroid Hormone** पर निर्भर होते है जिसके कारण माँ के शरीर में **Thyroid** की सही मात्रा का होना जरुरी है।

गर्भावस्था में थायराईड होने के कारण

1. HYPOTHYROIDISM -

गर्भावस्था में होने वाला यह सबसे सामान्य विकार है। इसमें शरीर में की **Thyroid Hormone** कमी हो जाती है इसका प्रमुख कारण **Iodine** की कमी होती है। बहुत से **Cases** में इसका कोई कारण नही होता है, परंतु **Pregnancy** में इसका ईलाज जरुरी है।

यह **Hashimoto** रोग के कारण भी हो सकता है यह हाशिमोटो की बीमारी में प्रतिरक्षा तंत्र ऐसे एंटीबॉडीज बनाता है जो **Thyroid** ग्रंथि पर हमला करता है और यह हार्मोन बनाने में कम से कम सक्रिय हो जाता है।

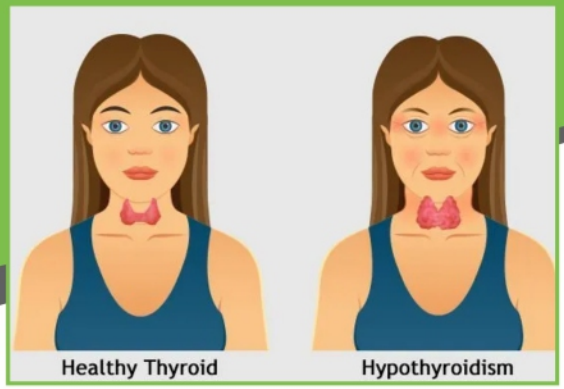

2. HYPERTHYROIDISM -

गर्भावस्था में **Hyperthyrodism** आमतौर पर **Graves** रोग के कारण होता है। ऐसे में आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली ऐसे एंटीबॉडिज बनाने लगती है जिसके कारण **Thyroid Gland** अत्यधिक मात्रा में **Thyroid Hormone** बनाने लगती है। थायराइड की अत्यधिक मात्रा भी गर्भवती महिला और बच्चे के लिए खराब है।

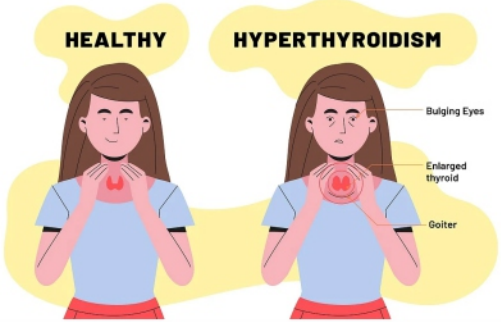

गर्भावस्था में थायराईड के लक्षण

1. HYPOTHYROIDISM -

- अत्यधिक थकान होना।
- अधिक ठंड लगना।
- मांसपेशियों में ऐंठन।
- कब्ज।
- याद्दाश्त या एकाग्रता से जुड़ी समस्या होना।

गर्भावस्था में **Hypothyroidism** के अधिकतर मामलों में गर्भवती महिलाओं पर बेहद कम प्रभाव होते है।

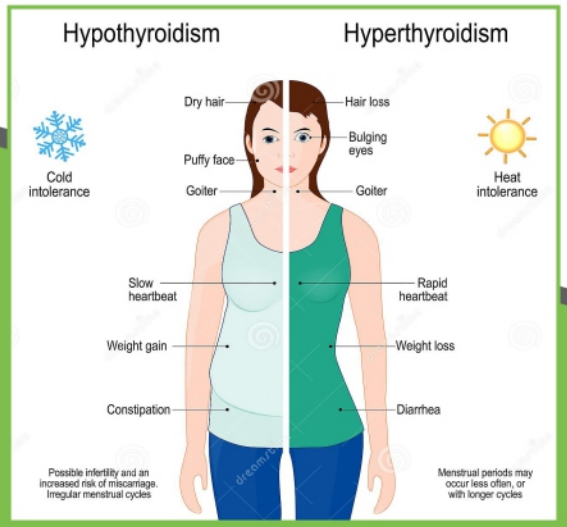

2. HYPERTHYROIDISM -

इसके कुछ संकेत और लक्षण सामान्य गर्भधारण में भी होते है। जैसे की महिला की हृदय गति का तीव्र होना, ज्यादा गर्मी लगना और थकान होना है।

इनमें निम्न अन्य लक्षण भी होते है -

- हृदय गति दर में तीव्रता और अनियमितता।
- हाथों का कपकपाना।
- वजन घटने का कारण न पता लगना।
- गर्भावस्था।